

पोखरा में भारतीय सेना के भूतपूर्व सैनिकों को राष्ट्रपतिजी का संबोधन

पोखरा, नेपाल : 04.11.2016

भारतीय सेना के वीर पूर्व सैनिक और उनके आश्रित जन !

आप सभी के बीच आकर अत्यंत हर्षत और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।

1.भारत राष्ट्र के राष्ट्रपति होने के नाते ये मेरे लिए प्रसन्नता और सन्तोष का वषय है क मुझे आज पोखरा की इस सुंदर नगरी में आप सब से बात करने का मौका मला ।

2.पछले वर्ष नेपाल में आए वनाशकारी भूकंप के दौरान जीवन तथा संपत्ति की दुर्भाग्यपूर्ण क्षति पर मैं भारत की समस्त जनता की ओर से नेपाल तथा नेपाल की जनता के लिए गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

3.पछले 200सालों से गोरखा वीर भारत में सेवारत रहे हैं जो क हमारे लिए गर्व की बात है।गोरखा सैनिकों ने भारतीय सेना में असाधारण(Exemplary)वीरता और कर्तव्य निष्ठा (Sincerity)के साथ सेवा करते हुए अत्यधिक नाम कमाया है।आज भारत में 32,000 गोरखा सैनिक सेवारत हैं और लगभग1,26,000पूर्व सैनिक और उनके आश्रित नेपाल में पेंशन ले रहे हैं ।

4.आप सभी पूर्व सैनिक नेपाल और भारत की मत्रता के आधार स्तंभ हैं।भारत सरकार और भारतीय सेना अपने वीर गोरखा सैनिकों और पूर्व सैनिकों पर गर्वकरती है। मैं भारत सरकार की तरफ से आप सबको वश्वास दिलाता हूँ क भारत सरकार अपने पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयत्न करने से कभी पीछे नहीं हटेगी ।

5.प्राचीन काल से ही नेपाल और भारत के बीच घनिष्ठ और बहुमुखी(Multi-faceted)सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध रहे हैं।खुली सीमा और मैत्री संध की वजह से सभी नागरिक एक दूसरे के देश में आ-जा सकते हैं।नेपाली नागरिक भारत में आसानी से व्यवसाय (Employment)कर सकते हैं।दोनों देश के नागरिकों का ये संबंध पारस्परिक (Mutual)रिश्तों को और ऊंचाई पर ले जा रहा है ।

6.इस संबंध को हमारी दोनों सेनाओं की दोस्ती ने और भी मजबूत बनाया है।हमारे वीर सेवानिवृत्त सैनिकों का दोनों देशों की सुरक्षा और वकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।

भारतीय सेना के वीर पूर्व सैनिक और उनके आश्रित जन!

7.मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है क भारत सरकार की तरफ से आप सबकी खुशहाली (Prosperity)और कुशलता (Well-being)के लिए बहुत सारी कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं।हमारी ये सोच इस बात से झलकती है क प्रति वर्ष लगभग 3100 करोड़ नेपाली रूपयों का पेंशन वतरण नेपाल में किया जा रहा है।चालू वत्तीय वर्ष में लगभग 4000 करोड़ नेपाली

रूपये 'वन रैंक वन पेंशन' और सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के अंतर्गत वतरण (Distribution) करने का हमारा उद्देश्य (Objective) है।

8. भारत सरकार गत वर्ष नेपाल में आये वनाशकारी भूकंप के पुनर्निर्माण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध (Committed) है और इस दिशा में नेपाल सरकार के साथ मलकर काम कर रही है। भारत की सरकार ने अन्य सहायता के अलावा भूकंप प्रभावित 6832 पूर्व सैनिकों की सहायता के लिए प्रति पेंशनर 32,000 नेपाली रूपये भी प्रदान किए हैं।

9. पेंशन के अलावा, भारतीय सेना ने पूर्व सैनिकों की सभी आकांक्षाओं (Aspirations) का भी खयाल रखा है। गत वर्ष लगभग 6.5 करोड़ नेपाली रूपये वभन्न कल्याण योजनाओं के तहत वतरित किए गए हैं। वृद्धावस्था में आपके स्वास्थ्य का खयाल रखने के लिए नेपाल में ईसीएचएस (Ex-Servicemen Contributory Health Scheme) लागू करने के अलावा गत वर्ष लगभग 1 करोड़ नेपाली रूपये उपचार सहायता के रूप में वतरित किए गए हैं। भारतीय सेना की 10 मेडिकल टीमों में भी हर साल नेपाल में आ रही हैं। अभी तक 64 एम्बुलेंस वभन्न भूतपूर्व सैनिक संस्थाओं को उपहार उपहार स्वरूप प्रदान की जा चुकी हैं।

10. भारतीय सेना आपके आश्रित बालक-बालकाओं को छात्रवृत्ति (Scholarship) भी प्रदान कर रही है। भौतिक अवसंरचना (Physical Infrastructure) का निर्माण और विकास करने की मुहिम के अंतर्गत, अब तक 1049 पूर्व सैनिकों के गांव तक पीने के पानी की योजनाएं (Drinking Water Projects) पहुंचाई गई हैं। 17 दुर्गम इलाकों (Remote Areas) में सौर ऊर्जा परियोजनाओं (Solar Electrification Projects) के माध्यम से बिजली पहुंचाई गई है।

11. भारतीय सेना के सर्वोच्च कमांडर होने के नाते ये मेरे लिए सन्तोष और गौरव का वषय है कि पूर्व पूर्व सैनिकों के लिए चलाई जा रही सभी कल्याणकारी योजनाएं नेपाल में भी समय पर लागू की जा जा रही हैं। सातवें वेतन आयोग के अंतर्गत "One Rank, One Pension" के अनुसार 31.12.2015 को मलने वाली मूल पेंशन को 2.57 से गुणा करके बढ़ाने का निर्णय किया गया है। जबकि वेतन आयोग ने 01.01.2006 को मलने वाली पेंशन को 2.57 से गुणा करने की सफ़ारिश की थी।

भारतीय सेना के सेवानिवृत्त वीर पूर्व सैनिक और उनके आश्रित जन!

12. नेपाल देश शांति और विकास की दिशा में बढ़ रहा है और इस यात्रा में हम आपके साथ हैं। मैं एक बार फिर आप सबका आह्वान (Call Upon) करता हूं कि आप सब अपने राष्ट्र निर्माण और भारत-नेपाल मैत्री को और मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक (Constructive) भूमिका निभाएं।

13. अंत में, मैं भगवान पशुपतिनाथ, माँ दुर्गा और भगवान बुद्ध से आप सबकी और आपके परिवार की खुशहाली, उन्नति और प्रगति की प्रार्थना करता हूँ।

धन्यवाद

जय हिंद !

जय नेपाल !! जय भारत-नेपाल मैत्री !!